रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

स्वथ्य और निरोगी जीवन जीने की कला है योगः कुलपति प्रो. मिश्र
योग विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में विविध कार्यक्रमों के आयोजन

जबलपुर 20 जून। मनुष्य को स्वस्थ्य और निरोगी जीवन के लिए योग को अपनी दिनचर्या में अपनाना आवश्यक है। योग जीवन जीने की वह कला है जिसे आज पूरा विश्व आत्मसात कर रहा है। उपरोक्त विचार विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने शनिवार को विवि योग विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए।

6वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में रादुविवि योग विभाग द्वारा 5 दिवसीय कार्यक्रम की श्रृंखला में विविध कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। इसके अंतर्गत 17 जून को निबंध लेखन, 18 जून को पोस्टर मेकिंग, रांगोली स्पर्धा, 19 जून को योग विधाओं का प्रदर्शन आदि के आयोजन किए। गए। 20 जून को आयोजित वेबिनार में अतिथि परिचय के पश्चात् विषय प्रवर्तन करते हुए योग एवं दर्शन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. भरत कुमार तिवारी ने योग का जीवन में महत्व को समझाया। मुख्य वक्ता प्रो. ईश्वर भारद्वाज, विभागाध्यक्ष योग विभाग गुरूकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार ने कहा कि प्रतिदिन योगाभ्यास से विविध रोगों पर विजय पायी जा सकती है और मनुष्य निरोगी जीवन जी सकता है। वेबिनार में वक्ता के रूप में प्रो. साधना दौनेरिया, विभागाध्यक्ष योग विभाग बरकतुल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल ने कहा कि कोविड–19 महामारी से आज पूरा विश्व जूझ रहा है और योग के शरणागत होकर इस महामारी से बचा जा सकता है। प्रभारी कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा ने योग के द्वारा शारीरिक एवं मानसिक रूप से मजबूत बनने हेतु सभी से जीवन में प्रतिदिन योगाभ्यास करने का आव्हान किया। स्वागत योग विभाग की डॉ. वर्षा अवस्थी, प्रार्थना डॉ. रीना मिश्रा एवं अंत में आभार प्रदर्शन योग विभाग के डॉ. राजेश कुमार पाण्डेय ने किया।

विविध योग प्रतियोगिताओं के ये रहे परिणाम–
रादुविवि योग विभाग द्वारा 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व आयोजित विविध स्पर्धाओं के विजेताओं की घोषणा की गई। इसमें निबंध लेखन स्पर्धा में प्रथम स्थान सुषमा गुप्ता, आशा श्रीवास्तव द्वितीय निवेदिता पटैल, गीता पहलाजनी, ज्योति गुप्ता, तृतीय स्थान शैलेन्द्र मरकाम, सुषमा रखाते द्वारा प्राप्त किए गए। पोस्टर स्पर्धा में प्रथम निवेदिता, द्वितीय मुक्ता द्विवेदी, दीपनारायण व तृतीय स्थान शिवम गुप्ता ने प्राप्त किया। रांगोली स्पर्धा में प्रथम अंजना नस्कर, द्वितीय शारदा जैतवार ने प्राप्त किया। वहीं योग प्रदर्शन स्पर्धा में प्रथम शिवम गुप्ता, साक्षी गुप्ता, द्वितीय अंजना नस्कर, भाग्यवती पटैल एवं तृतीय स्थान सचिन जांगिद, आदेश दुबे ने प्राप्त किया।

हिन्दी विभाग–फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का चौथा दिन

कुलपति प्रोफेसर कपिल देव मिश्र के मार्गदर्शन में हिंदी एवं भाषा विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित सात दिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के चौथे दिन मुख्य अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक के यशस्वी कुलपति प्रोफेसर श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी ने साहित्य की विविध विधाएं कल आज और कल को विश्लेषण करते हुए साहित्य को व्यवस्थाओं के निरूपण का स्वरूप बताया उन्होंने कहा कि साहित्यकार शब्द ब्रह्म का उपासक होता है साहित्य वह आईना है, जिसके साथ हम चलते हैं जिसमें भूत भविष्य और हमारा आज रहता है। 'कल आज और कल के साहित्य' पर चर्चा करते हुए प्रोफेसर

त्रिपाठी ने कहा कि अतीत का साहित्य स्थापना करने वाला था, आज का साहित्य भावनात्मक है लेकिन भविष्य का साहित्य संभावनाओं से भरा है। साहित्य आत्म तत्व और परम तत्व का बोध कराता है ।

हमारे मुख्य वक्ता के रूप में मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा के पूर्व अतिरिक्त संचालक प्रोफेसर राधा बल्लभ शर्मा जी ने आत्मकथा और जीवनी साहित्य का विस्तृत विवेचन किया । प्रतिभागियों को प्रेरित करते हुए कहा कि हरिवंश राय बच्चन देवेंद्र सत्यार्थी एवं वियोगी हरि, राहुल सांकृत्यायन जैसे साहित्य कारों की आत्मकथा अवश्य पढ़नी चाहिए, इनसे हमें जीवन जीने के सूत्र मिलते हैं। जीवनी में साहित्य, इतिहास और व्यक्ति समाहित होता है ।

विशिष्ट वक्ता के रूप में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के डॉ राजेश कुमार गर्ग ने प्रयोजन काव्य के प्रयोजन पर विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की और कहा कि काव्य के प्रयोजन को कुछ ने लिखा है पर भारतीय काव्य शास्त्री ने इसे रचा है। प्रयोजन के 10 दिशाओं को समझाते हुए उन्होंने कहा कि कोई भी बात निष्प्रयोजन नहीं होती।

फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के अगली कड़ी में 21 जून 2020 को पाडेंय पाणिनी संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मिथिला प्रसाद त्रिपाठी सागर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर आनंद प्रकाश त्रिपाठी और गुंटूर के डॉ काकानी कृष्णा जी का व्याख्यान होगा।

आज के कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर आशा रानी ने और आभार डॉ नीलम दुबे ने व्यक्त किया।

रादुविवि जनसम्पर्क प्रकोष्ठ / क्रमांक / 895 / 20.06.2020